हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 9 फरवरी 2026

12 ग्रांट मंजूर, जिले के विभिन्न गांवों में 1.35...

12 वरिष्ठ नागरिकों ने मासिक बैठक में उठाए...

## खबर संक्षेप

### बिजली अदालत व बिल समाधान शिविर कल

**नारनौल।** दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए 10 फरवरी को विशेष बिजली अदालत एवं बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन करने जा रहा है। सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें एवं बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। शिविर में 50 हजार से एक लाख रुपये तक के बिजली बिल मामलों पर सुनवाई की जाएगी। इसके अलावा गलत बिजली बिल, रीडिंग में त्रुटि, औसत (एवरेज) बिलिंग की समस्या और अन्य बिलिंग असमानताएं का भी समाधान किया जाएगा।

*देश के भावी डॉक्टरों के लिए सबसे बड़ी परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, तैयारी में जुटे अभ्यर्थी , दिन रात कर रहे सफलता के लिए मेहनत*

# नीट यूजी-2026: आठ मार्च तक भर सकेंगे फॉर्म, तीन मई को होगी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नीट आज सिर्फ एक परीक्षा नहीं बल्कि ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों के लिए डॉक्टर बनने का सबसे बड़ा जरिया है। एक ही परीक्षा से देशभर के कॉलेजों में प्रवेश मिलने से कोचिंग पर निर्भरता कम हुई है और मेहनती छात्रों को समान अवसर मिला है। देशभर के लाखों मेडिकल अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा नीट यूजी के लिए आधिकारिक सूचना बुलेटिन जारी कर दिया है। इसके साथ ही ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आठ फरवरी से शुरू हो चुकी है जो आठ मार्च रात नौ बजे तक चलेगी। यह परीक्षा तीन मई रविवार को आयोजित की जाएगी। नीट यूजी देश की एकमात्र ऐसी प्रवेश परीक्षा है जिसके माध्यम से एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस, बीयूएमएस, बीएसएमएस और बीएससी नर्सिंग जैसे प्रतिष्ठित मेडिकल और आयुष पाठ्यक्रमों में दाखिला मिलता है। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा को लेकर छात्रों और अभिभावकों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

### नीट यूजी क्या है और क्यों है इतना अहम

नीट यूजी भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एकमात्र राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल प्रवेश परीक्षा है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया, आयुष मंत्रालय और होम्योपैथी आयोग के अंतर्गत आने वाले सभी कॉलेजों में दाखिला इसी परीक्षा के आधार पर होता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम 2019 के तहत नीट को अनिवार्य बनाया गया है ताकि मेडिकल शिक्षा में पारदर्शिता, समान अवसर और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

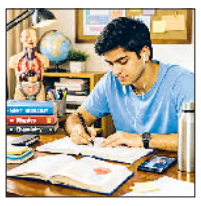

नारनौल। नीट यूजी परीक्षा की तैयारी में लगा युवक।

### आरक्षण व्यवस्था यथावत बनी रहेगी

नीट यूजी में केंद्र सरकार की आरक्षण नीति लागू रहेगी। इसमें एससी, एसटी, ईडब्लूएस,ओबीसी और दिव्यांग अभ्यर्थियों को नियमानुसार आरक्षण मिलेगा। राज्य कोटे की सीटों पर राज्य सरकारों की नीतियां लागू होंगी।

### परीक्षा केंद्र और भाषा विकल्प

परीक्षा देशभर के सैकड़ों शहरों में आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन के समय परीक्षा शहर का चयन कर सकेंगे। प्रश्न पत्र हिंदी, अंग्रेजी सहित तेरह भाषाओं में उपलब्ध होगा।

### परीक्षा की महत्वपूर्ण तिथियां एक नजर में जाने

**आवेदन की अंतिम तिथि : 8 मार्च 2026 (रात 9 बजे तक) फीस भुगतान की अंतिम तिथि : 8 मार्च (रात 11:50 बजे तक)**

सुधार विंडो : 10 से 12 मार्च
परीक्षा तिथि : 3 मई रविवार
समय : दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक
परीक्षा अवधि : 3 घंटे
परीक्षा पैटर्न और प्रश्नों की संख्या
**नीट यूजी की परीक्षा ऑफलाइन पेन-पेपर मोड में आयोजित की जाएगी। प्रश्न पत्र कुल 720 अंकों का होगा।**

| विषय | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| भौतिकी | 45 | 180 |
| रसायन विज्ञान | 45 | 180 |
| जीवविज्ञान (वनस्पति + प्राणी) | 90 | 360 |
| कुल | 180 | 720 |

सभी प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे जिनमें चार विकल्प दिए जाएंगे और एक सही उत्तर होगा।

### आवेदन शुल्क कितना देना होगा

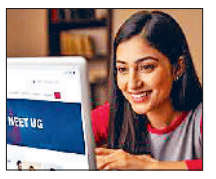

सामान्य वर्ग : 1700 रुपये
ईडब्लूएस/ओबीसी :1600 रुपये
एससी/एसटी/दिव्यांग/तृतीय लिंग : 1000 रुपये
फीस का भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग या यूपीआई के माध्यम से किया जा सकता है। इच्छुक अभ्यर्थी विभाग कर साइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

### यह रहेंगी पात्रता व शर्तें

अभ्यर्थी ने बाहरवीं कक्षा में भौतिकी, रसायन और जीवविज्ञान पढ़ा हो
न्यूनतम आयु : 17 वर्ष (31 दिसंबर 2026 तक)
12वीं में आवश्यक न्यूनतम प्रतिशत नियमानुसार होना चाहिए।
2026 में 12वीं में पढ़ रहे छात्र भी आवेदन कर सकते है।

## प्रशासन नहीं कर रहा सुनवाई, बीमारियों फैलने के डर से लोग आशंकित

# आधा दर्जन कॉलोनियों में सीवर ओवर फ्लो कीचड़ और गंदे पानी से जीना हुआ दुश्वार

नारनौल। नलापुर में पीपल के नीचे वाली गली में भरी सीवर की गंदगी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। मुख्य बाजार में सड़क पर बहती गंदगी। फोटो : हरिभूमि

मोहल्ला नलापुर, पार्क गली, नई बस्ती, माल टिब्बा मोहल्ला, सुभाष पार्क के आसपास के दर्जनों मोहल्लों में सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर में जगह-जगह हो रहे सीवर ओवरफ्लो ने आमजन की परेशानी को लगातार बढ़ा दिया है। मोहल्ला नलापुर, पार्क गली, नई बस्ती, माल टिब्बा मोहल्ला, सुभाष पार्क के आसपास सहित कई गली-मोहल्लों में सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। इससे न केवल शहर की स्वच्छता व्यवस्था चरमरा गई है, बल्कि लोगों का रोजमर्रा का जीवन भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

सीवर ओवरफ्लो के कारण सड़कों पर कीचड़ और गंदगी फैल गई है। कई इलाकों में तो हालात ऐसे हैं कि पैदल चलना भी दूभर हो गया है। स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नलापुर में पीपल वाली गली में आसपास के दुकानदारों एवं मकानों वालों ने नाली पर ही कब्जा कर लिया, जिस कारण गली का पानी सीवरों में जाने लगा, लेकिन जब सीवर ओवरफ्लो होकर बैक मारते हैं, तब उनकी सारी गंदगी सड़क पर भर जाती है। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक ही नहीं, पैदल लोग भी इस गंदे पानी से होकर गुजरने को मजबूर हैं। पार्क गली, मुख्य बाजार का भी यही हाल है।

लोग आए दिन गंदगी में से गुजरते रहते हैं। सीवर ओवरफ्लो की सबसे बड़ी समस्या बदबू भी है। नालियों और सड़कों पर जमा गंदा पानी पूरे इलाके में दुर्गंध फैला रहा है। लोगों को नाक पर रूमाल रखकर घरों से बाहर निकलना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी प्रभास छक्कड़, हलवाई मुकेश सैनी, प्रमोद सैनी, मुकेश जैन, ताराचंद सैनी, हरिओम शर्मा, रतन व गोलू सैनी आदि बताते हैं कि दिनभर घरों के दरवाजे और खिड़कियां बंद रखनी पड़ती हैं, फिर भी बदबू से राहत नहीं मिलती। शाम के समय हालात और भी खराब हो जाते हैं। प्रभास छक्कड़ ने बताया कि नगर परिषद में दर्ज कराई गई शिकायत का नंबर 307 है, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ है। मोहल्ला नलापुर और कोलियान के निवासियों का कहना है कि वे महीनों से इस समस्या को झेल रहे हैं। पार्क गली और माल टिब्बा मोहल्ले में तो कई बार सीवर का पानी घरों के सामने तक भर जाता है। सुभाष पार्क के पास आने-जाने वाले लोगों को भी भारी परेशानी होती है, जिससे पार्क में आने वाले बच्चों और बुजुर्गों की संख्या कम होती जा रही है।

### लोगों को सता रहा बीमारियों का खतरा

गंदे पानी और बदबू के कारण बीमारियों का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। मच्छरों और मक्खियों की संख्या में इजाफा हो गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया, वायरल बुखार और पेट संबंधी बीमारियों का डर बना रहता है। कई मोहल्लों में छोटे बच्चों और बुजुर्गों के बीमार पड़ने की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो हालात और बिगड़ सकते हैं। एक ओर सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर नारनौल शहर में सीवर ओवरफ्लो जैसी बुनियादी समस्या बनी हुई है। सड़कों पर बहता गंदा पानी स्वच्छता अभियान की पोल खोल रहा है।

नारनौल। पार्क गली में ओवरफ्लो होता सीवर। फोटो : हरिभूमि

### लोगों ने लगाया विभाग पर लापरवाही का आरोप

लोगों का आरोप है कि जनस्वास्थ्य विभाग और नगर परिषद लंबे समय से इस समस्या से शहरवासियों को निजात नहीं दिला पा रहे हैं। कई बार शिकायतें देने के बावजूद केवल अस्थायी समाधान किया जाता है। कहीं सीवर की सफाई कर दी जाती है तो कहीं कुछ दिनों बाद फिर वही हालात बन जाते हैं। सीवर लाइनें पुरानी और जर्जर हो चुकी हैं, लेकिन उन्हें बदलने या स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे।

### यह कहते हैं अधिकारी

शहर में सीवर समस्या लाइनों में ब्लॉकेज से हो रही है। नालियों को सीवरों से जोड़ दिया गया है। लोग पॉलीथीन आदि निर्धारित कूड़ादान में डालने की बजाए खुले में डाल देते हैं और वह पानी के साथ बहकर सीवर लाइन में जाकर ब्लॉकेज का कारण बनती है। निरंतर बार-बार प्रयास किए जा रहे हैं। कई जगहों पर समाधान भी हुआ है। अन्य जगहों पर भी इस समस्या पर काबू पाया जाएगा। -आकाश,जेई जनस्वास्थ्य विभाग

### मोहल्लेवासियों ने समाधान की उठाई मांग

शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सीवर व्यवस्था की व्यापक जांच कराई जाए और स्थायी समाधान किया जाए। पुराने सीवर पाइप बदले जाएं, नियमित सफाई की व्यवस्था हो और बरसात से पहले विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न हो। कुल मिलाकर, नारनौल शहर में सीवर ओवरफ्लो की समस्या अब गंभीर रूप ले चुकी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या केवल गंदगी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए भी बड़ा खतरा बन सकती है।

# जड़वा गांव में व्यक्ति पर तेजधार हथियार से हमला

- पुरानी रंजिश के चलते दिया हमले की वारदात को अंजाम
- गंभीर रूप से घायल को परिजनों कराया भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सतनाली थाना क्षेत्र के गांव जड़वा ढाणी में पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति पर घर में घुसकर तलवार व कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। इस हमले में पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए सीएचसी सतनाली में जाया गया, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

गांव जड़वा ढाणी वासी पीड़ित जयपाल ने थाना सतनाली में दी शिकायत में बताया कि बीती रात करीब 10:30 बजे वह अपने घर में सो रहा था। इसी दौरान उसके पड़ोसी विक्रम, उसका बेटा सुमित, पत्नी आशा निवासी जड़वा ढाणी, हाथों में तलवार व कुल्हाड़ी जैसे तेजधार हथियार लेकर उसके घर में जबरन घुस आए। शिकायत के अनुसार, सुमित ने तलवार से उसके सिर और मुंह पर वार किया, जबकि विक्रम ने कुल्हाड़ी से सिर, मुंह और शरीर पर कई वार किए। वहीं आशा ने भी तेजधार हथियार से उसके मुंह पर हमला किया। इसके बाद तीनों ने उसे घसीटकर घर के बाहर गेट के पास ले जाकर जान से मारने की धमकी दी। हमलावरों ने कहा कि अगर बच गया तो दोबारा जान से मार देंगे। पीड़ित के शोर मचाने पर उसका भाई योगेंद्र मौके पर पहुंच गया, जिसे देखकर आरोपी उसे छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद जयपाल बेहोश हो गया। परिजनों ने उसे उपचार के लिए सीएचसी सतनाली में भर्ती कराया। जहां से उसको रेफर कर दिया गया।

# कनीना में 27 को लगेगा बाबा मोलड़ नाथ का मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना में आगामी 27 फरवरी को बाबा मोलड़नाथ के धार्मिक मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले को लेकर सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं। सूबेदार रणवीर सिंह व सुभाष यादव ने बताया कि फाल्गुन सुदी एकादशी के मौके पर आयोजित होने वाले इस मेले में रात्रि जागरण, भंडारे के अलावा कबड्डी-कुश्ती प्रतियोगिता सहित उंट व घोड़ी दौड़ होगी, जिसमें दूर-दराज से आए श्रद्धालु हिस्सा लेंगें। उन्होंने बताया कि 26 फरवरी की रात्रि आठ बजे से फुटबॉल मैदान में जागरण होगा। जिसमें प्रदीप जांडली, आरके लहरी, अंचल पांचाल व अनु शर्मा धार्मिक भजनों की प्रस्तुति देगें। 27 फरवरी को सुबह आठ बजे से सीहोर-छितरोली रोड पर ऊंट व घोड़ी दौड़ होगी। यह दौड़ मेले का मुख्य आकर्षण होती है। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 51 हजार, द्वितीय को 41 हजार, तृतीय को 31 हजार, चतुर्थ को 21 हजार व पंचम स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रुप दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त वाले ऊंट व घोड़ी सवार को 5100 रुपये का ईनाम दिया जाएगा।

# बदला मिजाज: 15 फरवरी तक मौसम शुष्क, लेकिन बना रहेगा गतिशील

- ताजा मौसम अपडेट और मौसम पूर्वानुमान : दिन और रात के तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिल रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

### मौसम विशेषज्ञों का यह है अनुमान

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 15 फरवरी तक मौसम आमतौर पर शुष्क परन्तु गतिशील बना रहेगा और बीच-बीच में कहीं कहीं आंशिक बादल वाही देखने को मिलेगी बारिश की कोई संभावना नहीं है। साथ ही साथ सम्पूर्ण इलाके में धीरे धीरे दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी हालांकि एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर 17 फरवरी को सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। रविवार को जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल और महेंद्रगढ़ का दिन और रात का तापमान क्रमशः 24.5, 8.5 डिग्री सेल्सियस और 25.0, 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जबकि जिला हिसार का दिन और रात का तापमान क्रमशः 24.3 डिग्री सेल्सियस और 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम आमतौर पर शुष्क, परन्तु गतिशील बना हुआ है। सम्पूर्ण इलाके में धीरे धीरे दिन और रात के तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिल रही है। मौसम विशेषज्ञ डॉ चंद्रमोहन ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में कोई भी विशेष मौसमी प्रणाली सक्रिय नहीं है, जिसके कारण अगले एक सप्ताह तक हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम आमतौर पर शुष्क बना रहेगा और बारिश की की कोई संभावना नहीं है। एक नया कमजोर श्रेणी का पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से उत्तरी पर्वतीय इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी देखने को मिल रही है जबकि मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में केवल आंशिक बादल वाही ही देखने को मिल रही है बार बार हवाओं की दिशा और गति में बदलाव देखने को मिल रहा है। साथ ही साथ सम्पूर्ण इलाके में तापमान में उतार चढाव देखने को मिल रहा है। रविवार हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सुबह और शाम के समय उत्तरी हवाएं चलने से रात्रि और दिन के तापमान में हल्की गिरावट जबकि दोपहर के समय दक्षिणी पश्चिमी व दक्षिणी पूर्वी हवाओं से सम्पूर्ण इलाके में वातावरण में अस्थिरता बनी हुई हैं। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में वर्तमान समय में मौसम सुहावना बना हुआ है।

**सियासत** राजनीतिक जुबानी जंग अब व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंची

मंडी अटेली में भाजपा कार्यकर्ताओं और राव इंद्रजीत सिंह के समर्थकों प्रेसवार्ता में जताया विरोध

# सीताराम को राजनीतिक रूप से आगे बढ़ाने में राव इंद्रजीत की अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अटेली

दक्षिणी हरियाणा में पिछले कुछ समय से राजनीतिक बयानबाजी लगातार तेज होती जा रही है। नेताओं के बीच चल रही जुबानी जंग अब व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंच गई है जिससे क्षेत्र का राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और पूर्व विधायक सीताराम को लेकर दिए जा रहे बयानों ने चर्चाओं को और हवा दे दी है। इसी संदर्भ में रविवार को मंडी अटेली में भाजपा कार्यकर्ताओं और राव इंद्रजीत सिंह के समर्थकों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर विरोध दर्ज कराया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह के खिलाफ लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं और इन्हें केवल राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से उछाला जा रहा है। उनका कहना था कि इस तरह की बयानबाजी से न तो जनता को कोई लाभ होता है और न ही क्षेत्र के विकास को गति मिलती है।

मंडी अटेली। प्रेसवार्ता करते राव इंद्रजीत सिंह समर्थक। फोटो : हरिभूमि

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व वाईस चेयरमैन जसवंत सिंह यादव ने पूर्व विधायक सीताराम द्वारा दिए जा रहे बयानों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह एक अनुभवी और जनाधार वाले नेता हैं, जिन्होंने लंबे समय तक क्षेत्र और प्रदेश के हित में कार्य किया है। उन्होंने यह भी कहा कि छह बार सांसद और विधायक बनना जनता के भरोसे और निरंतर कार्यों का परिणाम है। जसवंत सिंह यादव ने यह आरोप भी लगाया कि पूर्व विधायक सीताराम को राजनीतिक रूप से आगे बढ़ाने में राव इंद्रजीत सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, लेकिन अब वही व्यक्ति सार्वजनिक रूप से उनके खिलाफ बयान दे रहा है।

### पूर्व विधायक को आत्म मंथन की सलाह

जसवंत सिंह यादव ने पूर्व विधायक को आत्ममंथन करने की सलाह दी और कहा कि निराधार आरोप लगाने से उनकी छवि पर ही असर पड़ेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के नेतृत्व में क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि वर्तमान में सड़क, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है, जो कुछ लोगों को असहज कर रहा है। इस मौके पर कृष्ण यादव राजपुरा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद गौड़, मास्टर राधेश्याम शर्मा, सुरेंद्र, उमराव ठेकेदार, गिरीराज सेठ, मनोज कुमार ,जय भगवान, सावंत सिंह आदि रहे।

*हारना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।*
***-हरिवंश राय बच्चन***

*वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।*

कहानी
संगीता बैनीवाल

# मेरु की बहू

घर के बाहरी हिस्से में एक बैठक है। बैठक का घर के बाहरवाई हिस्से में होने का कारण भी मैं आज तुम्हें जरूर बताऊंगी। क्योंकि आजकल बैठक घर के अंदर होती हैं पर मैं जिस बैठक की बात कर रही हूं, वो उस जमाने की भी याद दिलाती है, जब बैठक घर के बाहर होती थी और केवल पुरुषों के बैठने के काम आती थी। उस जमाने में बैठक घर के बाहर ही होती थी बताना इसलिए भी जरूरी है कि बैठक के बाहर होने के पीछे गांव की एक खास सोच थी, जिसे हम साझी सोच भी कह सकते हैं।

दरअसल, वह हर घर में लागू होती थी। बैठक तो उसका आधुनिक नाम है। यह वह बैठक है जिसमें केवल पुरुष बैठा करते थे। इस बैठक में घर की औरतें नहीं बैठती थी केवल आदमी और लड़के बैठते थे। यदि कोई मेहमान आता था तो वह बैठक में ही बैठता था। परिवार की रजामंदी पर ही वह घर के भीतर दाखिल हो सकता था। हां, अगर किसी मेहमान के साथ कोई औरत या लड़की आई है तो वह घर के अंदर आंगन में चली जाती थी, बिना रोक-टोक के। अगर किसी गरीब के घर में बैठक नहीं है तो अपने आसपास जो भी, जिस भी भाई की बैठक होती थी, अपने मेहमान को वहां बैठा दिया करते थे। इसके लिए उसे बैठक के मालिक से इजाजत लेने की आवश्यकता भी नहीं होती थी, इतना अधिकार तो आपस में समझा जाता था। अब समझ में आई बाहरवाई बैठक। यानी घर के पुरुष और बाहर के पुरुष उनके लिए होती थी यह बैठक। क्योंकि घर की बहू-बेटियों पर किसी की बुरी नजर ना पड़े इसलिए उनके लिए आंगन कोठड़ा कोठड़ी सूपा, बिसाला, दुकड़िया ये सब कमरों के नाम है इनमें कहीं भी किसी भी जगह बैठने की छूट होती थी।

अधिकतर घरों में आंगन भी दो ही होते थे, एक बाहरवाई जिसमें ये बैठक और पशुओं के रहने की जगह और उनके चारे के लिए कमरे बने होते थे। दूसरा एक भीतर आंगन जिसमें बहू बेटियां अपनी सुविधा के अनुसार रहती थी। कोई भी बड़ा-छोटा पुरुष आवाज करके ही आंगन में आता था ताकि बहू-बेटी अपने आप को संभाल ले, अपने कपड़े- वस्त्र इत्यादि ठीक-ठाक कर ले। जिन बहू को घूंघट करना होता था, वह अपना घूंघट कर ले। सभी औरतें संभल जाती तब कोई बड़ी औरत उस पुरुष को आवाज देकर अंदर बुलाती थी। तब तक पुरुष बाहर खड़ा इंतजार करता था। जब तक अंदर से आवाज ना आए, पुरुष अंदर दाखिल नहीं होता था। किसी बुजुर्ग औरत के आवाज लगाने पर कि "भाई कौन है अंदर आ जाओ।" तब पुरुष अंदर दाखिल होता था। यह सब बिलकुल सहज सा ही लगता था। इतना औपचारिक भी नहीं लगता था कि उस जमाने में जो आज सुनने में लग रहा है। कुटुंब का भी बड़े ओहदे का पुरुष आंगन के दरवाजे के पास पहुंच कर पहले खांसने की आवाज करता, जिसे खंगारा करना कहते थे, या किसी बच्चे का नाम जानता हो तो उस बच्चे के नाम से आवाज लगाता। जैसे 'रामसिंह!' आवाज लगाने के बाद इंतजार करता, यदि भीतर से कोई बुलावा आया है, उसकी पहचान हो गयी, तभी कोई बड़ी औरत भीतर आने के लिए कहती थी। इसके पीछे कारण यह भी था कि उस समय संयुक्त परिवार होते थे और संयुक्त परिवार में मनुष्य भी ज्यादा होते थे। उन पुरुषों का कोई गलत सोच का यार-दोस्त भी हो सकता था। इसलिए हर एक के लिए भीतर वाले आंगन में एंट्री नहीं थी, लेकिन इस व्यवस्था का एक विपरीत पक्ष भी था। अब जब कुछ सीधा होता है तो बैलेंस करने के लिए कुछ उल्टा भी जरूरी है। उल्टी बात यह थी कि बहू बहन-बेटियां बैठक में नहीं आ सकती थी, उन्हें इजाजत नहीं थी। वो बैठक में एक-दो शर्तों पर ही एंट्री मार सकती थी। एक तो सुबह के समय झाड़ लगाने के लिए, दूसरा जब बैठक में कोई पुरुष ना हो। दूसरी एंट्री दोपहर में कभी-कभी मिलती थी क्योंकि दोपहर में अधिकतर पुरुष खेतों में होते थे। जहां जाने पर रोक होती है, वहां जाने का उतना ही अधिक मन करता है।

हां, तो यह मेरे बचपन की वही बैठक है। आज मैं ससुराल से मायके में अपने घर आई हूं। इस समय शाम, गोधूलि वेला का वक्त है। सोचा कि बैठक में गेड़ा मार के आती हूं। यह गेड़ा आजकल वाले गेड़ा से अलग था। उस जमाने का गेड़ा भी बताऊंगी, कभी फुर्सत में। हां, तो मैं बैठक में आ गई हूं। पिता जी, चाचा-ताऊ, भाई उनकी अनुपस्थिति में भी उनके होने का अहसास लेने के लिए। मेरे साथ मेरी मां भी है। बैठक की दीवार पर पिताजी की फोटो टंगी हुई है। फोटो बहुत पुरानी है। बहुत पहले बनवाई हुई। इस फोटो में पिताजी जवान लगते हैं। 20-25 साल पुरानी तो जरूर होगी यह फोटो। इस फोटो पर नजर पड़ी और नजर पढ़ते ही मुझे फोटो से घूंघट सीन ताजा हो गया। सीन ताजा होते ही फिल्म की नायिका मेरु चौकीदार की पत्नी भुज्जी भी यादों में यूं आ टपक पड़ी, जैसे दुछत्ती से पुराने गुड़ का टोपा टपक जाता है। अब जब टपक पड़ी तो सोचा खैर-खबर भी ले ही लूँ।

'माँ !'

'हूँ' मां ने जवाब दिया।

'मेरु चौकीदार की बहू ठीक है?' मैंने पूछा।

'ओह! क्या बताऊं बेटी! वो तो होली के आसपास ही राम को प्यारी हो गई बेचारी।' मां का अफ़सोस भरा जवाब।

'अच्छा! ओह हो...! सच में? यूं कैसे?'

'हां बेटी...! उसको तो इतनी अच्छी तरह उठा के ले ग्या राम। सुबह की चाय पी के बैठी ही थी और बैठी-बैठी ही लुढ़क गई।'

मां उसकी यादों में पहुंच कर बोले जा रही थी।

'मेरु ने बहू-बेटों को आवाज़ लगाई। उन्होंने आकर देखा-संभाला, नब्ज देखी तो पता चला कि वह तो राम के घर पहुंच भी गई।'

मां के द्वारा बताने के लहजे में उसके जाने के दुख के साथ-साथ बिना तकलीफ ठीक-ठाक प्राण देने का सुकून ज्यादा झलक रहा था।

'मेरु की बहू भुज्जी कितनी सीधी थी ना।' अपने मन ही मन कहा मैंने। बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

एक बार की बात है, हम घर की सभी महिलाएं दोपहर में बैठक में लगे नए बिजली के पंखे की हवा ले रहीं थी। पंखा नया लगवाया था। सबसे पहले बैठक में ही लगा था। घर में अंदर अभी नहीं लगा था। उस समय पुरुष कोई था नहीं। सभी औरतें अपना काम निपटा कर बैठक में पंखे की हवा का आनंद ले रही थीं। उसी समय मेरु की बहू का आना हुआ। मैडम भुजी ने ये चमत्कार पहली बार देखा था। चलते हुए पंखे की गोल आकृति देख हैरतअंगेज थी कि ये गोल-गोल चीज अपने आप कैसे चल रही है, इसमें हवा कहां से आ रही है। मैं भी जादूगर सम्राट शंकर की फीलिंग लेकर पंखे का स्विच कभी ऑफ करती और कभी ऑन करती हुई भुज्जी की तरफ देख रही थी। उसके चेहरे पर आए अचंभित भावों को देखकर खुश हो रही थी। उसे समझाने की भी कोशिश कर रही थी कि यह चीज गोल नहीं है, स्विच ऑफ करके दिखाना चाह रही थी। इस पर वह और ज्यादा अचंभित हो गई, कहने लगी कि फिर यह गोल कैसे दिख रही थी। मेरे पिताजी साहूकार के घर पंखा झलने के लिए जाया करते थे। उस पंखे की तो लंबी झालर होती थी।

अब मैं मेरु की बहू की अचंभित बातों से बोर सी भी होने लगी थी। पंखे से नजर हटते ही मेरु की बहू की नजर पिताजी की फोटो पर पड़ी और नजर पड़ते ही वह सकपका गई। बस फिर क्या था। मुझे सुनहरी मौका मिल गया था, उसे सताने के लिए। मैंने झट सवाल किया।

'मेरु की बहू।'

'हाँ री ननद।' भुजी ने मेरी तरफ देखकर कहा।

'तुम अपने चाचा ससुर की फोटो के आगे बिना घुंघट के.....?'

मैंने बनावटी गुस्सा दिखाते हुए अपनी बात चालू रखी। 'आने दे शाम को पिताजी को.....। जरूर बताऊंगी। जरूर बताऊंगी कि तुम्हारी चौकीदारनी तो शहर की मेम बन गई है, घूंघट करना अब इसके बस का नहीं है।'

इतना सुनते ही मेरु की बहू ने झट घूंघट कर लिया पिताजी की फोटो से। और मुझसे मिन्नत करने लगी 'री ननद, हाथ जोड़ विनती करूं हूं। देखोए ये बात नंबरदार जी को नहीं बताना। मेरा भरी पंचायत में मजाक बन जाएगा और चौकीदार तो हर रोज मुझे ताने देगा, सो अलग। मैंने तो नंबरदार जी की फोटो देखी ही नहीं थी, अगर देखी होती तो क्या मैं ऐसा काम करती। री, नंद अबकी बार बचा ले।'

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

आज बैठक में खड़ी, मेरे अंदर यादों के ये सब चलचित्र बारी-बारी से आते गए और जाते गए आंसुओं से धुंधला भी रहे थे। गला भर आया। अब मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया बैठक में। आंखों से पानी बह रहा था, गला भर गया था। अकेली मेरु की बहू खड़ी थी मेरे सामने। मैं बस इतना ही कह पाई।

'कुछ साल तो और रुक जाती मेरु की बहू...! बैरन....! इतनी क्यों जल्दी मचाई जाने की?

बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

---

गीत
प्रीति पाठक 'प्रीति'

## शिव आराधना

देवों के हैं देव महादेव शिव शंकर
नाम है अनेक जिसमें इक है गंगाधर
शिव अनुकम्पा से जीवन होगा बेहतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव औघड़, आशुतोष, गृहस्थ, महायोगी
त्यागी और तपस्वी हैं हमारे शिव वियोगी
शिव महिमा को बिल्कुल न समझो तुम कमतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव ज्ञान के वेद रामायण के प्रणेता
मानव के आदर्श शिव हैं रक्षक देवता
भक्तजनों की वेदना लेते शिव हैं हर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव संगीत के स्वर हैं शिव स्मृति उत्सव
शिव गौरव हैं प्रेम के दुष्टों के भैरव
शिव आराधना से मिले मोक्ष का अवसर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

---

कविता
सपना

## एक पल

एक पल जो सिर्फ मेरा हो।
एक पल जिसमें ख़ुद से मिलना हो ॥
एक पल जिसमें जिम्मेदारी न हो किसी रिश्ते की।
एक पल जिसमें जवाबदेही न हो आठों पहर की ॥
एक पल जिसमें मेरे होने का एहसास हो।
एक पल जिसमें शब्दों की जरूरत न हो ॥
एक पल जो एक कप चाय में शक्कर की तरह घुल जाए।
एक पाल जो पूरे दिन का आधार बन जाए ॥
एक पल जिसमें दिन भर की थकान बातों से पिघल जाए।
एक पल जिसमें बिन सवाल हर जवाब मिल जाए ॥
एक पल जिसमें हँसते हुए डर न लगे।
एक पल जिसमें जीवन संघर्ष न लगे॥
एक पल..
सि र्फ एक पल ..जो सिर्फ मेरा हो ॥

---

कविता
मनीषा मंजरी



## प्रदर्शन का युग

प्रदर्शित पीड़ा हीं अब समझ आएगी,
निःशब्द चीखें ना किसी को लुभाएगी।

युग प्रदर्शन का, विचित्रता का पर्याय बना,
अश्लीलता, इस सभ्यता की पहचान चुराएगी।

दयनीयता अब आँखों को कहाँ रुलायेगी,
पथ की हर ठोकर, मनोरंजन का विषय कहलाएगी।

निजता - शालीनता, अदृश्यता की सार्थकता को पाएगी,
आडम्बर, मूर्छित व्यक्तित्व की चिताएं सजायेगी।

परनिंदा, दिनचर्या का हिस्सा बन जायेगी,
निर्णयात्मकता की कटार, बस स्वयं को बचाएगी।

हर क्षण की कहानियां, परदों पर छाएगी,
सहायता को बढ़ेंगे हाथ नहीं, बस टिप्पणियां लिखी जाएंगी।

इस संवेदनशून्यता की नींद, क्या कभी खुल पाएगी,
या मृत अस्तित्व के बाजार में, हर चेतना लूटी जायेगी।

---

*भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।*

लघु कथा
डा. मधुकांत

# एक नई उड़ान

हरियाणा के एक छोटे से कस्बे में सूरज की पहली किरण अभी खिड़की से अंदर आई ही थी कि भतेरी के घर में चहल-पहल शुरू हो गई। सुमेर प्रतिदिन की भांति अपने पुराने ऑटो के पास पहुँचा। जैसे ही उसने ऑटो स्टार्ट करने के लिए हैंडल खींचा, भतेरी रसोई से ताज़ा बनी रोटियों का लंच बॉक्स लेकर दौड़ती हुई आई। उसने इठलाते हुए और चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान के साथ सुमेर को डब्बा पकड़ाया। 'आज शाम को ज़रा घर जल्दी आ जाना,' उसने धीमे से कहा। सुमेर ने माथे पर बल देते हुए पूछा, 'क्यों भाई? आज क्या खास बात है? क्या फिर से कोई पड़ोस की पंचायत है?'

भतेरी ने बनावटी गुस्से में अपना हाथ कमर पर रखा और बोली, 'आपको तो कुछ याद रहता नहीं! आज हमारी शादी की पहली सालगिरह है। पिछले साल इसी दिन मैं इस घर में आई थी।' सुमेर का चेहरा थोड़ा उतर गया। वह दिल का बुरा नहीं था, लेकिन उसे शाम को दोस्तों के साथ बैठकर शराब पीने की लत थी। उसने ईमानदारी से कहा, 'देखो भतेरी, जल्दी आ गया तो घर में क्लेश ही होगा। तुम्हें मेरा पीना पसंद नहीं और मैं अभी इसे छोड़ नहीं सकता। फिर सालगिरह का मज़ा तो किरकिरा हो जाएगा ना?'

भतेरी ने एक गहरी साँस ली। वह सुमेर को बदलना चाहती थी, पर लड़कर नहीं, बल्कि प्यार से। उसने सुझाव दिया, 'आप आज बाहर मत रुकना। आप घर पर बैठकर ही अपना खाना-पीना करना। कम से कम मुझे आपकी सुरक्षा की चिंता तो नहीं रहेगी। सड़क पर नशे में ऑटो चलाना ठीक नहीं है।'

सुमेर की आँखें चमक उठीं। उसे लगा जैसे उसे अपनी पसंद की चीज़ के लिए लाइसेंस मिल गया हो। वह खिलखिलाकर बोला, 'अरे वाह मेरी धन्नो! आज तो मज़ा आ गया। तू तो बड़ी समझदार निकली।' सुमेर जब भी भतेरी से बहुत खुश होता या जिस दिन उसकी अच्छी कमाई होती, वह उसे प्यार से 'धन्नो' पुकारता था। भतेरी का नाम उसकी दादी ने रखा था। वह अपने माता-पिता की तीसरी बेटी थी। दादी को पोते की प्रबल चाहत थी, इसलिए जब तीसरी बार भी लड़की हुई, तो उन्होंने खीझकर उसका नाम 'भतेरी' रख दिया, जिसका अर्थ था—'अब बहुत हुई, और नहीं चाहिए।' बाद में जब घर में छोटा भाई पैदा हुआ, तो तीनों बहनों का जीवन जैसे सहायक जैसा हो गया। भतेरी ने पढ़ाई तो की, लेकिन उसका अधिकांश समय भाई के डायपर बदलने और उसे खिलाने में बीतता। स्कूल के दिनों में वह साइकिल चलाने में बहुत माहिर थी; वह लड़कों को भी पीछे छोड़ देती थी। लेकिन समाज की बेड़ियों ने उसे रसोई तक सीमित कर दिया। शादी के बाद जब वह सुमेर के घर आई, तो उसने देखा कि सुमेर के पास कमाई का साधन सिर्फ एक पुराना ऑटो है। एक रात सुमेर भारी नशे में था। उसे सवारियाँ छोड़नी थी, लेकिन उसकी आँखें मुंद रही थीं। उसने मज़ाक-मज़ाक में भतेरी को स्टेयरिंग पर बैठने को कहा।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

एक दोपहर सुमेर को तेज़ बुखार था। तभी पड़ोस के घर से चीखने की आवाज़ें आईं। पड़ोस की महिला को प्रसव पीड़ा हो रही थी और कोई वाहन उपलब्ध नहीं था। एम्बुलेंस आने में वक्त था। भतेरी ने बिना देर किए सुमेर के ऑटो की चाबी उठाई और उन सबको अस्पताल पहुँचाया। उस दिन कस्बे के लोगों ने उसे एक नया नाम दिया-'गुलाबो'। उसकी फुर्ती और मददगार स्वभाव ने सबका दिल जीत लिया। धीरे-धीरे गुलाबो ने तय किया कि वह घर बैठने के बजाय सुमेर का हाथ बँटाएगी। उसने अकेले ऑटो लेकर निकलना शुरू कर दिया। पहले ही दिन जब वह शाम को घर लौटी, तो उसके पल्ले में 500 रुपये बँधे थे। सुमेर हैरान था। गुलाबो की यह पहली स्वतंत्र कमाई थी। एक महिला को ऑटो चलाते देखना शहर के लिए नई बात थी। स्थानीय पत्रकारों ने गुलाबो के संघर्ष और उसकी हिम्मत की कहानी फोटो के साथ अखबार में छाप दी। शीर्षक था- 'सपनों को मिला गियरः शहर की पहली महिला ऑटो चालक।' यह खबर 'स्त्री शक्ति संगठन' तक पहुँची। संगठन की अध्यक्ष ने गुलाबो से मुलाकात की और उसकी आर्थिक स्थिति को समझा। उन्होंने बैंक से बात करके बहुत ही कम ब्याज दर पर गुलाबो को एक नया ऑटो दिलाने में मदद की। संयोग से, वह ऑटो कंपनी महिलाओं के लिए विशेष रूप से गुलाबी रंग के ऑटो बना रही थी, जिनमें सुरक्षा के लिए जीपीएस और पैनिक बटन भी थे। जब गुलाबी ऑटो शहर की सड़कों पर उतरा, तो वह आकर्षण का केंद्र बन गया। महिला यात्री, कॉलेज जाने वाली लड़कियाँ और बुजुर्ग महिलाएँ अब गुलाबो के ऑटो का इंतज़ार करने लगीं क्योंकि वे उसमें खुद को सुरक्षित महसूस करती थीं।

गुलाबो की सफलता देखकर कस्बे की अन्य पाँच महिलाएँ भी उसके पास आईं। वे भी आत्मनिर्भर बनना चाहती थीं। गुलाबो ने उन्हें न केवल ऑटो चलाना सिखाया, बल्कि उन्हें बैंक से लोन दिलाने में भी मदद की। अब शहर में 'गुलाबी ऑटो' की एक पूरी फौज थी। सुमेर अब अपने पुराने ऑटो से काम करता था और गुलाबो अपने नए गुलाबी ऑटो से। दोनों की संयुक्त आय से घर की आर्थिक स्थिति सुधर गई। फूस के छप्पर की जगह पक्का कमरा बन गया। सबसे बड़ा बदलाव सुमेर में आया। अपनी पत्नी की मेहनत और समाज में उसकी इज़्ज़त देखकर सुमेर का सिर गर्व से ऊँचा हो गया। उसे अहसास हुआ कि जिस शराब के पीछे वह अपनी कमाई लुटाता था, वह उनके सुखद भविष्य में बाधा है। अब वह शाम को बाहर नहीं रुकता था। वह घर आकर गुलाबो के साथ बैठकर दिनभर की बातें करता। गुलाबो ने उसे पूरी तरह शराब छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया, बल्कि प्यार से उसे 'सीमित' कर दिया। वह कहती, 'आज ज्यादा थक गए हो, तो बस थोड़ी सी घर पर ही ले लो।'

धीरे-धीरे सुमेर को अहसास हुआ कि उसे शराब से ज्यादा खुशी अपनी पत्नी के साथ हँसने-बोलने में मिलती है। भतेरी, जिसका नाम 'बहुत हुई' के नकारात्मक भाव से रखा गया था, आज पूरे शहर के लिए 'मिसाल' बन चुकी थी। उसने साबित कर दिया कि एक महिला अगर ठान ले, तो वह न केवल अपना भाग्य बदल सकती है, बल्कि अपने जीवनसाथी को भी सही राह पर ला सकती है। आज जब भी कोई गुलाबी ऑटो सड़क से गुज़रता है, तो वह केवल एक वाहन नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दौड़ती-भागती गौरव गाथा नज़र आता है।

---

# स्वतंत्रता संग्राम की गुमनाम वीरांगना : नीरा आर्य

पुस्तक: नीरा आर्य : अद्भुत वीरांगना
लेखक: प्रोफेसर एम एम जुनेजा
मूल्य: 200 रुपये
प्रकाशक: मॉडर्न पब्लिशर, जीरकपुर

पुस्तक समीक्षा
डॉ. विजेंद्र कुमार

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अनेक गुमनाम नायकों के अद्भुत शौर्य व बलिदान की अनेक कहानियां अभी भी आलोक की प्रतीक्षा कर रही हैं। जो समाज अपने इतिहास को याद नहीं रखता, वह धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। प्रोफेसर एम.एम. जुनेजा एक ऐसी मशाल हैं जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम अनमोल रत्नों को आलोकित करने के लिए निरंतर प्रज्वलमान हैं। स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के प्रति उनके हृदय में जो सम्मान है वह उनकी लेखनी से अवतरित होता है। वे अब तक 3 दर्जन ऐतिहासिक शोध ग्रंथ समाज को विशेषकर युवा पीढ़ी को समर्पित कर चुके हैं। इन शोधग्रंथों में से 24 कृतियां स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को समर्पित हैं। डॉ. जुनेजा द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक और गुमनाम वीरांगना नीरा आर्य पर यह पुस्तक उन्होंने अंडमान निकोबार के आदिवासियों को समर्पित की है। यह पुस्तक उत्तरप्रदेश के खेकड़ा गांव में एक किसान परिवार में जन्मी नीरा आर्य के स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत योगदान पर केंद्रित है। विद्वान लेखक ने बड़े शोध-पूर्ण ढंग से प्रतिपादित किया है कि मात्र 9 वर्ष की आयु में अनाथ हुई नीरा ने किस तरह आज़ाद हिंद फौज के माध्यम से अंग्रेजों से संघर्ष में अपना जीवन समर्पित कर दिया। तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था को रेखांकित करते हुए लेखक ने बताया कि नीरा के माता-पिता की बीमारी के दौरान गांव के साहूकार से कर्ज लेने तथा उनके माता-पिता के निधन के बाद किस तरह साहूकार द्वारा कर्ज के बदले उनकी पैतृक संपत्ति कुर्क करके उसके घर पर भी कब्जा कर लिया गया। मात्र 8-9 वर्ष की आयु में वह अबोध बालिका व उसका भाई अनाथ होकर सड़क पर आ गये थे। उस समय के दानवीर व समाजसेवी सेठ छाजूराम ने नीरा व उसके भाई को गोद ले लिया। आजादी के संघर्ष के महान नायकों पर लिखी पुस्तकों की भांति डॉक्टर जुनेजा की यह पुस्तक भी युवा पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रेरणादाई है। एक और गुमनाम वीरांगना की शौर्य गाथा को प्रस्तुत करने के लिए डॉक्टर जुनेजा आभारी हैं। डॉक्टर जुनेजा की अन्य पुस्तकों की तरह ही यह पुस्तक भी संग्रहणीय है।

## अटेली मंडी पहुंचने पर श्याम पदयात्रियों का भव्य स्वागत

# 225 किलोमीटर पैदल यात्रा कर 12 फरवरी को करेंगे खाटू श्याम के दर्शन

अटेली मंडी पहुंचने पर खाटू श्याम के लिए पैदल यात्रा कर रहे श्याम भक्तों का फूल-मालाएं पहनाकर किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली मंडी शहर में श्याम पदयात्री जत्थे के पहुंचने पर स्थानीय जनता द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। श्याम भक्तों के स्वागत में अटेली मंडी में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर अटेली मंडी के पूर्व पार्षद अश्विनी यादव, डॉ. पवन कुमार अटेली, महासर धाम के पुजारी रतन लाल शर्मा व करण सिंह, झम्मन पंडित, बेगपुर से किसान नेता रामनिवास, राष्ट्र सनातन सेवा के जिला अध्यक्ष रजनीश यादव, तरुण यादव, अचीवर्स आईटीआई के डायरेक्टर मनोज यादव, पूर्व बीएसएफ अधिकारी हरीसिंह साहब, कंवर सिंह यादव, मुकेश यादव बेगपुर सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने श्याम भक्तों को फूल-मालाएं पहनाकर एवं शाल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। यह श्याम पदयात्री जत्था हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरुग्राम स्थित भकरोला शिव मंदिर से खाटू श्याम राजस्थान धाम के लिए पैदल यात्रा पर निकला है। जत्थे का नेतृत्व मास्टर करण सिंह कर रहे हैं। उनके साथ संजय यादव (नागवान ट्रांसपोर्टर), ओमराम मिडा, बाबूलाल भकरोला, सूबेदार मेजर (ऑनरेरी कैप्टन) रामू यादव तथा सूबेदार भागमल सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हैं।

मंडी अटेली। पैदल चलकर अटेली पहुंचे जत्थे का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

### श्याम भक्तों के स्वागत में भीड़

- श्याम पदयात्री जत्थे के पहुंचने पर स्थानीय जनता द्वारा उनका भव्य स्वागत किया
- श्याम भक्तों के स्वागत में अटेली मंडी में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला
- श्याम पदयात्री जत्था हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरुग्राम स्थित भकरोला शिव मंदिर से खाटू श्याम राजस्थान धाम के लिए पैदल यात्रा पर निकला है

### 225 किलोमीटर चलेंगे पैदल

श्याम भक्त प्रतिदिन लगभग 40 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए कुल 225 किलोमीटर का सफर तय कर 12 फरवरी को खाटू श्याम धाम पहुंचकर श्याम बाबा के चरणों में ध्वज चढ़ाकर हाजिरी लगाएंगे। यात्रा के दौरान भक्त अपने साथ रसोई एवं वाहन भी लेकर चल रहे हैं। रास्ते में पड़ने वाले प्रत्येक गांव व शहर में श्याम पद यात्रियों का श्रद्धापूर्वक एवं भव्य स्वागत किया जा रहा है।

# सरस्वती स्कूल भोजावास में छात्रों को 1.50 करोड़ की मिलेगी छात्रवृत्ति

- मेधावी बच्चों को शत प्रतिशत छूट पर मिलेगा दाखिला, आधुनिक शिक्षण पद्धति से लगेंगी कक्षाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में प्राचार्य राजेश कुमार की अगुवाई में स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन हुआ। जिसमें टॉपर रहने वाले विद्यार्थियों को 1.50 करोड़ की छात्रवृति मिलेगी। साथ ही खेल प्रतिभा निखारने के मकसद से स्टेडियम का प्रबंध किया गया है जिसमें विभिन्न खेलों के कोच उपलब्ध रहेंगे। स्कूल में स्मार्ट कक्षाओं का प्रबंध किया गया है जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से पढ़ाई करने में मदद मिलेगी।

प्राचार्य राजेश कुमार ने बताया कि बच्चों की पढ़ाई को लेकर अभिभावक गंभीर हैं, किंतु आर्थिक तंगी के कारण सुविधाओं से संपन्न संस्था में दाखिला नहीं करवा पाते। उनकी सुविधा के लिए प्रबंधन कमेटी ने स्कॉनरशिप परीक्षा का शेड्यूल बनाया है। प्रथम चरण में कक्षा छठी से 12 वीं तक परीक्षा संपन्न कराई गई जिसमें विभिन्न कक्षाओं के 700 विद्यार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई है। परीक्षा का पैट्रन लघुनात्मक प्रश्नों पर आधारित रहा है जिसके लिए एक घंटे का समय निर्धारित किया गया है। अगले एक सप्ताह में परिणाम घोषित कर दिया जाएगा जिसमें टॉपर रहे विद्यार्थियों को 50 से 100 फीसदी तक ट्यूशन शुल्क में रियायत मिलेगी। दूसरे चरण में पहली से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों की छात्रवृति परीक्षा कराई जाएगी। जिसमें पंजीकृत आवेदकों को सभी ग्रामीण रूटों पर वाहन सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

नांगल चौधरी। स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा देते हुए विद्यार्थी।

### दो एकड़ जमीन पर स्टेडियम का निर्माण

प्रबंधक निदेशक अमित यादव ने बताया कि स्कूल में करीब दो एकड़ जमीन पर स्टेडियम का निर्माण कराया है। जिसमें बच्चों को स्वरूचि के अनुसार कबड्डी, खो-खो, बालीवाल, फुटबाल, ज्वैलियन थ्रो, बास्केट बाल, तीरंदाजी, माला फैंक, दौड़, क्रिकेट समेत विभिन्न खेलों की तैयारी कराई जाएगी। प्रथम चरण की स्कॉलरशिप परीक्षा में छठी से 12 वीं कक्षा के विद्यार्थियों को शामिल किया है। जिन्हें प्राप्त अंकों के अनुसार 50 से 100 फीसदी तक शुल्क में छूट मिलेगी।

### पहली से पांचवी तक छात्रवृति परीक्षा 14 को

प्राचार्य राजेश कुमार ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों का चंहुमुखी विकास के लिए प्रबंधन कमेटी ने छात्रवृति परीक्षा निर्धारित की है। दूसरे चरण की परीक्षा 14 फरवरी को होगी जिसमें पहली से पांचवी कक्षा तक विद्यार्थी शामिल रहेंगे। परीक्षा का परिणाम एक सप्ताह में तैयार करके बच्चों को पंजीकृत मोबाइल रिपोर्ट पर भेज दी जाएगी।

### बीआर आदर्श स्कूल में स्कॉलरशिप टेस्ट आयोजित

महेंद्रगढ़। बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहलंग में छात्रवृति परीक्षा आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर एवं पूजा-अर्चना के साथ की गई, जिसके पश्चात परीक्षा प्रक्रिया प्रारंभ हुई। यह परीक्षा विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता, तार्किक क्षमता एवं बौद्धिक विकास को परखने के उद्देश्य से आयोजित की गई। परीक्षा में कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने पूरे अनुशासन एवं आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। परीक्षा से पूर्व प्रार्थना सभा में विद्यालय के चेयरमैन हरिश भारद्वाज ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा बच्चों में आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धा की भावना एवं आगे बढ़ने की प्रेरणा विकसित करती हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष कोचिंग कक्षाएं, खेल प्रशिक्षण, इंग्लिश स्पीकिंग प्रोग्राम, व्यक्तित्व विकास सत्र, स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला तथा अनुभवी शिक्षकों द्वारा नियमित मार्गदर्शन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। उन्होंने आगे कहा कि चयनित विद्यार्थियों को आगामी शैक्षणिक सत्र में 100 प्रतिशत तक शुल्क में छूट, निःशुल्क अध्ययन सामग्री एवं विशेष कोचिंग की सुविधा प्रदान की जाएगी। प्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज ने बताया कि परीक्षा परिणाम तीन बाद घोषित किए जाएंगे।

# पीजीटी कंप्यूटर साइंस भर्ती में प्रदेश के युवाओं की उपेक्षाः राव दान सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

पीजीटी कंप्यूटर साइंस शिक्षक भर्ती को लेकर हरियाणा कांग्रेस के पूर्व मुख्य संसदीय सचिव रावदान सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस भर्ती प्रक्रिया में 1711 पदों पर सिर्फ 39 हरियाणा के युवा चयनित किए गए तथा एचपीएससी ने जान–बूझकर हरियाणवी युवाओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया। उन्होंने कहा कि पीजीटी कंप्यूटर साइंस शिक्षक भर्ती ने हरियाणा सरकार और हरियाणा लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राव दानसिंह ने कहा कि यह कोई संयोग नहीं, बल्कि हरियाणवी युवाओं को जानबूझकर अयोग्य ठहराने की सुनियोजित साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों से भाजपा सरकार भर्तियों के नाम पर युवाओं को ठगने का काम कर रही है। जब हरियाणा के युवा देश की सबसे कठिन यूपीएससी जैसी परीक्षाएं पास कर सकते हैं, तो फिर एचपीएससी की परीक्षाओं में उन्हें इस तरह बड़े पैमाने पर फेल किया जाना साफतौर पर भर्ती प्रक्रिया की नीयत पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि इस भर्ती में 97 प्रतिशत से अधिक रिजेक्शन रेट को "युवाओं के सपनों पर सीधा वार" और "भाजपा सरकार का शर्मनाक फेलियर" करार दिया। उन्होंने कहा कि कटऑफ जानबूझकर असामान्य रूप से बहुत ऊंची रखी गई, ताकि स्थानीय युवाओं को बाहर किया जा सके और उत्तर प्रदेश, दिल्ली सहित अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों को लाभ पहुंचाया जा सके। राव दानसिंह ने एचपीएससी चेयरमैन, जो हरियाणा से बाहर के हैं, को तत्काल बर्खास्त करने की मांग करते हुए कहा कि आयोग की कमान किसी हरियाणवी अधिकारी को सौंपी जानी चाहिए, जो प्रदेश के युवाओं की पीड़ा और हक को समझ सके। इसके साथ ही उन्होंने पूरी भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराने की भी मांग की।

### बाबा पांचों पीर का दो दिवसीय मेला 16 से

**महेंद्रगढ़।** गांव जेरपुर में पहाड़ के पीछे स्थित ढाब में महंत सुखबीर नाथ के शुभ आशीर्वाद व समस्त ग्रामीणों के सहयोग से बाबा पांचों पीर का दो दिवसीय महान मेला 16 व 17 फरवरी को आयोजित होगा। मेला प्रबन्धन कमेटी के सदस्यों ने बताया कि इस मेले के अवसर पर अनेक खेलकूद प्रतियोगिता होगी। उन्होंने बताया कि क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ नरेश यादव ठेकेदार द्वारा किया जाएगा तथा फाइनल मैच 15 फरवरी को होगा। यह मैच कोसको वुड की गेंद से होंगे, जो कमेटी द्वारा दी जाएगी। विजेता टीम को 41 हजार रुपये तथा उपविजेता टीम को 31 हजार रुपये दिए जाएंगे। टीम के खिलाड़ी एक ही गांव, एक ही पंचायत के होने चाहिए।

## खबर संक्षेप

### सदासुख स्कूल में स्कॉलरशिप टेस्ट में दिखाई प्रतिभा

**महेंद्रगढ़।** सदासुख मेमोरियल स्कूल में रविवार को स्कॉलरशिप टेस्ट आयोजित आयोजन किया गया। इस परीक्षा में आसपास के क्षेत्रों के अनेक विद्यालयों से विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा का शुभारंभ प्रातः विद्यालय प्रांगण में प्रार्थना के साथ किया गया। विद्यालय प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों के बैठने, पेयजल, मार्गदर्शन एवं अनुशासन की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हो सकी। प्राचार्य ने बताया कि इस छात्रवृत्ति परीक्षा का मुख्य उद्देश्य मेधावी एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रयासरत है। अभिभावकों ने भी विद्यालय द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की।

### लाल गिरी आश्रम में शिविर में किया रक्तदान

**कनीना।** बाबा लाल गिरी आश्रम पर रविवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें दोपहर तक 50 से अधिक युवाओं की ओर से रक्तदान किया गया। मोहन सिंह ने बताया कि सुबह नौ बजे प्रारंभ हुए इस शिविर में एलएन अस्पताल महेंद्रगढ़ के चिकित्सक डा प्रदीप यादव की उपस्थिति में रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

### एसपीजी आईएएस स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा को लेकर बच्चों में दिखा उत्साह

**महेंद्रगढ़।** डुलाना चितलांग रोड स्थित एसपीजी आईएएस स्कूल में स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट आयोजित किया गया। प्रतिभावान स्टूडेंट अच्छे अंकों के आधार पर फीस में छूट प्राप्त कर सकते हैं। इस परीक्षा का आयोजन कक्षा पहली से कक्षा 12वीं तक किया गया था, जिसमें आसपास के गांव के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों की योग्यता और प्रतिभा के आधार पर उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। चेयरमैन डॉक्टर वीरेंद्र राव डुलाना ने बताया कि स्कॉलरशिप का उद्देश्य बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान कर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाना है।

# अमेरिकी किसानों के हित में डील का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

किसान नेता बलबीर सिंह ने भारत सरकार द्वारा अमेरिकी किसानों के हित में की गई कृषि व डेयरी उत्पात संबंधित ट्रेड डील की कड़ी आलोचना करते हुए सरकार से इसे तुरंत वापिस लेने की मांग की है। उन्होंने आगे कहा की सरकार ट्रेड डील बारे खुलासा नहीं कर रही है। इस कारण भी सरकार कि मनसा पर शक होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में ट्रेड डील को लेकर अपना स्वागत तो कराया पर डील बारे कुछ नहीं बताया। देश की जनता को अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप एक्स पर जानकारी देता है। इससे पता चलता है कि भारत सरकार जरूर कुछ न कुछ जनता से छुपा रही है। भारत सरकार ने अमेरिकी कृषि व डेयरी उत्पादों पर बिल्कुल टैक्स खत्म कर दिया है, जबकि अमेरिका ने भारतीय उतपादों पर 18 परसेंट टैक्स लगा रखा है। इस के कारण अमेरिका के सस्ते कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में आएंगे।

# सीएल स्कूल 1042 छात्रों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल।

हुडा स्थित सीएल पब्लिक स्कूल में रविवार को मेधावी एवं प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा विद्यालय परिसर में निर्धारित समय पर सम्पन्न की गई। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना और सांस्कृतिक कायक्रमों के द्वारा की गई। इस परीक्षा में लगभग 1042 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संस्था के प्रबंधन निदेशक डॉ अमित गुप्ता ने बताया कि इस स्कॉलरशिप परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों को गुणवतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना तथा उनकी आर्थिक सहायता करना है। परीक्षा में गणित, सामान्य ज्ञान एवं तार्किक क्षमता से संबधित प्रश्न पूछे गए। स्कूल प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने बताया कि परीक्षा का परीणाम जल्द घोषित करके चयनित छात्रों को शुल्क में नियमानुसार छूट एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाएँ प्रदान की जाएगी। अभिभावको ने सीएल स्कूल की इस पहल की सरहाना करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय कदम बताया।

### सेहलंग में बैठक का आयोजन

**कनीना।** कनीना-दादरी मार्ग स्थित खिमज माता धाम सेहलंग की पहाड़ी प्रांगण में रविवार को खिमज माता सेवा दल एवं गांव के लोगों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें हाल ही में आयोजित किए गए मेले में हुई आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। मेले के दौरान विभिन्न मदों से 681681 रुपये की आय हुई जबकि खेलकूद प्रतियोगिता, सफेदी, रंग-रोगन, ध्वजा, साफ - सफाई पर 557368 रुपये खर्च हुए। भंडारे में 558010 रुपये की आय हुई। 51240 रुपये बचे। ग्रामीणों ने मेले का सुचारू रूप से संचालन करने लिए व्यवस्था की प्रशंसा की गई।

# राव इंद्रजीत सिंह के जन्मदिन पर पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के पांच दिवसीय जन्मदिन कार्यक्रम की श्रृंखला के तहत विभिन्न सामाजिक कार्यों का आयोजन किया गया। इस कड़ी में कोरियावास गांव के मंदिर परिसर में पौधारोपण किया गया, जहां पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके साथ ही रामबास गांव स्थित गौशाला में पशुओं के लिए शनि छानने की मशीन दान की गई। गौशाला परिसर में भी पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का आयोजन विकास यादव और अभय सिंह गुर्जर के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर कोरियावास गांव में बुधराम, शक्ति, संदीप, राजेश सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने केंद्रीय मंत्री के जन्मदिन को सेवा और जनकल्याण से जोड़ते हुए सामाजिक कार्यों को निरंतर जारी रखने की बात कही।

### रक्तदान शिविर 11 को

**नारनौल।** सामाजिक संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप, गोगिया जनसेवा ग्रुप एवं विजय हॉस्पिटल ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में 11 फरवरी को 42वां रक्तदान शिविर आयोजित होगा। इसका आयोजन केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के जन्मदिन पर होगा। इसमें मुख्य अतिथि राजेश यादव उर्फ बंटी ठेकेदार रहेंगे। विशिष्ट अतिथियों में अटेली मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार, युवा नेता मनोज सेकवाल, मनदीप यादव एडवोकेट, कपिल कुमार मुख्य रूप से रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नारनौल भाजपा मंडल के पूर्व उपाध्यक्ष मदन लाल गोगिया करेंगे।

# स्वास्थ्य जांच शिविर में 68 नागरिकों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना मंडी स्थित लाला शिवलाल की धर्मशाला में रविवार को सामाजिक संस्था सेवा भारती की ओर से आयोजित किए गए 95वें स्वास्थ्य जांच शिविर में 68 जरूरतमंद नागरिकों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। इस शिविर में रेवाड़ी स्थित निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने सेवाएं दी। शिविर में हड्डी एवं जोड रोग, नेत्र एवं सामान्य रोग सम्बंधी दवा वितरित की गई। शिविर में ईसीजी, बीपी व शुगर की जांच की कर परामर्श भी दिया गया। योगेश अग्रवाल ने बताया कि सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक आयोजित इस शिविर में हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ मनीष वर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ तरुण, सामान्य रोग विशेषज्ञ डा हर्ष व प्रताप सिंह, रेखा की टीम ने मरीजों की जांच कर दवा वितरित की। संस्था के संरक्षक शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि उनकी ओर से प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाता है। जिनमें अब तक हजारों जरूरतमंद व्यक्ति स्वास्थ्य लाभ ले चुके हैं।

कनीना। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

### ये रहे मौजूद

इस मौके पर सुरेश शर्मा, जगदीश गुप्ता,श्याम सुंदर, अमित सिंहल, दिनेश कुमार, अंकित, नवीन, रविदत्त उपस्थित थे।

**आह्वान** आंगनबाड़ी कर्मियों को अभी तक श्रमिक का दर्जा भी नहीं दिया गया

# आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन ने मांगें पूरी नहीं होने पर जताया रोष

### आंदोलन व हड़ताल करने के अधिकार पर हमला

- हड़ताल में भाग लेने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

केन्द्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी से संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन (रजिस्ट्रेशन नंबर 1996) की राज्य प्रधान कृष्णा देवी ने केंद्रीय ट्रेड यूनियन एआईयूटीयूसी तथा देश की 10 बड़ी ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं से सरकार की श्रमिक-कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ विशेष तौर से श्रमिक विरोधी 4 लेबर कोड्स लागू करने के खिलाफ 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेने का आह्वान किया।

राज्य प्रधान कृष्णा देवी ने कहा कि सरकार द्वारा जबरन थोपे गए मजदूर विरोधी चार लेबर कोड यूनियन बनाने, आंदोलन व हड़ताल करने के अधिकार पर हमला है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कर्मियों ने अपनी लम्बित न्यायोचित मांगों को लेकर विभाग के अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार तक बार–बार ज्ञापन दिए और मुलाकात भी की है। बावजूद इसके आंगनबाड़ी कर्मियों की समस्याओं के समाधान की बजाय काम का बोझ बढ़ा है। आंगनबाड़ी कर्मियों के 118 दिन चले आंदोलन में 975 आंगनबाड़ी कर्मियों को नौकरी पर बहाल तो कर दिया, लेकिन बहाली के बावजूद हड़ताल के दौरान का वेतन आज तक नहीं दिया गया, जबकि बातचीत में हड़ताल अवधी के भुगतान का आश्वासन दिया गया था। आंगनबाड़ी कर्मियों से सरकार हरियाणा के अन्य कर्मचारियों की तरह काम तो ले रही है, लेकिन सरकार आंगनबाड़ी कर्मियों को अपना कर्मचारी नहीं मान रही। आंगनबाड़ी कर्मियों को अभी तक श्रमिक का दर्जा भी नहीं दिया गया है और न ही आंगनबाड़ी कर्मियों को न्यूनतम वेतन 28,000 रुपये दिया जा रहा है। सुपरवाइजर की भर्ती में वर्करों के 50 प्रतिशत पदोन्नति की घोषणा में बरसों का समय लग गया। आंगनबाड़ी कर्मियों को मिलने वाला मामूली मानदेय भुगतान भी समय पर नहीं मिलता। आंगनबाड़ी कर्मियों का बढ़ती महंगाई में इस मामूली मानदेय में गुजर–बसर मुश्किल है। सरकार बड़े–बड़े कारपोरेट पूंजीपतियों को सरकारी खजाने से अरबों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन स्कीम वर्कर्स को इस योजना के बरसों बाद भी अभी तक सरकारी कर्मचारी का दर्जा व न्यूनतम वेतन 28000 रुपये नहीं दिया जा रहा।

### आंदोलन ही एकमात्र रास्ताः सूबेसिंह

केन्द्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सूबेसिंह ने कहा कि आंदोलन ही एकमात्र रास्ता है, जिससे हम अपनी वाजिब मांगों को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने आंगनबाड़ी कर्मियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, तब तक उन्हें सरकारी कर्मचारियों के समान तमाम सुविधाएं व वेतन भत्ते दिए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कर्मियों की लम्बित मांगों का तुरंत समाधान हो, श्रमिक विरोधी 4 लेबर कोड रद्द किए जाएं और 29 श्रम संहिताओं को और अधिक समृद्ध करके श्रमिक हितैषी बनाकर बहाल किया जाए। इन सब मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कर्मियों से 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़–चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया।

## खबर संक्षेप

### 14 को होगा श्रीश्याम फाल्गुन महोत्सव

**कनीना।** कनीना की पुरानी अनाज मंडी में आगामी 14 फरवरी को 12वें श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्रीश्याम मित्र मंडल की ओर से आयोजित इस समारोह में गायक कलाकार श्री श्याम बाबा के भजनों की प्रस्तुति देगें। मंडल के प्रधान अनिल गुप्ता ने बताया कि इस समारोह की तैयारियां पूरी की जा रही है। महोत्सव के उपरांत 22 फरवरी को 11वी निशान पद एवं शोभा यात्रा शुरू होगी, जो हुड़िया जैतपुर के लिए रवाना होगी।

### विराट हिंदू सम्मेलन में एकता पर दिया जोर

**मंडी अटेली।** अटेली क्षेत्र के गांव तिगरा में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि रामअवतार एवं आचार्य नीरज रहें। इस कार्यक्रम में हिंदूओं की एकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि समाज में आपसी सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने जागरूक, संस्कारवान और संगठित समाज बनाने पर जोर दिया।हिंदू समाज में संगठन और एकता बनाए रखना समाज की मजबूती के लिए जरूरी है।

### अटेली में हुई बसपा की समीक्षा बैठक

**मंडी अटेली।** बहुजन समाज पार्टी के लोकसभा इंचार्ज पवन ठाकुर अटेली पहुंचकर पार्टी की संगठन समीक्षा बैठक में शामिल हुए। बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष रूप से चर्चा की गई तथा प्रत्येक बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान लोकसभा इंचार्ज पवन ठाकुर ने कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में जिले की चारों विधानसभाओं में बड़े कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की जा रही है।बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार एवं जनसंपर्क अभियान को तेज करने का आह्वान किया।

## 12 गांवों की बदलेगी सूरत, चमकेंगी गलियां व सड़कें

# ग्रांट मंजूर, जिले के विभिन्न गांवों में 1.35 करोड़ से होंगे विकास कार्य

### सांसद की पैरवी से हरियाणा ग्रामीण विकास फंड से मंजूर हुई ग्रांट

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। गांव पाली में यहां बनेगा शहीद स्मारक। फोटो : हरिभूमि

जिले के 12 गांवों में 1.35 करोड़ रुपये की राशि से विभिन्न विकास कार्य करवाए जाएंगे। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि सांसद धर्मबीर सिंह की पैरवी पर हरियाणा ग्रामीण विकास निधि से ये राशि मंजूर की गई है। इन गांवों की पंचायतों ने सांसद से इन विकास कार्यों की मांग की थी। सांसद ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव रमेश कुमार खुल्लर से इन कार्यों को सिरे चढ़ाने के हरियाणा ग्रामीण विकास निधि से ग्रांट जारी करने के लिए पत्र लिखकर इन कार्यों को जल्द-से-जल्द सिरे चढ़ाने की बात कही थी। पंचायती राज विभाग द्वारा इनके ऐस्टिमेट बनाकर मुख्यालय भेजे गए थे। इसके उपरांत मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव ने इनके लिए बजट जारी करने बारे मंजूरी दे दी है। गांव पाली के शहीद स्मारक में भी एक बड़े हाल का निर्माण करवाया जाएगा। पाली के सरपंच देसराज फौजी एवं बाबा जयरामदास भूतपूर्व सैनिक संगठन के पूर्व अध्यक्ष रिटायर्ड सूबेदार रामकिशन के नेतृत्व में शहीद स्मारक के निर्माण के लिए सांसद से लगातार संपर्क बनाया हुआ था। अब इसके भी निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इससे बनने से आने वाले समय में लोगों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र होगा। शहीद स्मारक पर जाकर युवा शहीदों के बारे में जानकारी लें सकेंगे। इससे युवा पीढ़ी को भी सेनानियों की बहादुरी के संबंध में जानकारी मिल सकेगी।

#### इन गांवों में होंगे विकास कार्य:

| गांव | कार्य | लागत |
|---|---|---|
| गुवानी | स्टेडियम में टीन शेड निर्माण | 11 लाख रुपये |
| सिहोर | जिम हाल का निर्माण | 11.57 लाख रुपये |
| जाट | पंचायती भूमि पर टीनशैड निर्माण | 15 .84 लाख रुपये |
| बिहाली | चौपाल में टीनशैड निर्माण | 18 .1 लाख रुपये |
| सोहड़ी | राजपूत चौपाल का निर्माण | 13 लाख रुपये |
| नावदी | बाबा मुरलीदास धर्मशाला का निर्माण | 9 .99 लाख रुपये |
| गहली | बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण | 3 .75 लाख रुपये |
| पाली | शहीद स्मारक में हाल का निर्माण | 20 .92 लाख रुपये |
| शोभापुर | गोशाला में टीनशैड निर्माण | 4 .82 लाख रुपये |
| अटेली | खेल स्टेडियम में हाल का निर्माण | 10 लाख रुपये |
| खातीवास | बाबा लटुरिया मंदिर के पास टीनशैड निर्माण | 11 लाख रुपये |
| मुंडिया खेड़ा | एससी चौपाल में शौचालय निर्माण एवं टाइल | 4 .99 लाख रुपये |

नारनौल। मुख्य व्याख्यानकर्ता को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

## एनएसएस शिविर के दूसरे दिन की शुरूआत योगा से हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजकीय महिला महाविद्यालय की ओर से राजकीय प्राथमिक पाठशाला रघुनाथपुरा में आयोजित एनएसएस शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत योगाभ्यास से की गई। कार्यक्रम के मुख्य व्याख्यानकर्ता डॉ. हंसराज डीपीई एवं मुकेश डीपीई रहे, जिन्होंने अपने संबोधन में बच्चों को खेलकूद के महत्व एवं पौष्टिक आहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके उपरांत बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष रूप से 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खेल भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम के अगले चरण में नशा मुक्ति पर जागरूकता रैली निकाली गई, जिसके माध्यम से समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। शाम के सत्र में डॉ. बबीता द्वारा बच्चों को ओरल हेल्थ (मुख स्वास्थ्य) के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इसी सत्र में भाषण (स्पीच) प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने विभिन्न सामाजिक एवं स्वास्थ्य विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

## गोपाल गोशाला में सेवा संस्थान ने गायों के लिए बनाई सवामणी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। गायों की सवामणी के लिए जुटाई सामग्री के साथ गोभक्त। फोटो : हरिभूमि

श्री गौ गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान (रजि.) के तत्वाधान एवं आचार्य बजरंग शास्त्री की देखरेख में रेवाड़ी रोड स्थित श्री गोपाल गोशाला में संस्थान के सभी सदस्यों द्वारा सवामणि का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वप्रथम पं. मनीष निर्मल शास्त्री ने राजेंद्र गुप्ता मंजू गुप्ता, प्रदीप संघी रेखा संघी एवं संस्था के सभी सदस्यों द्वारा गौ पूजन करवाया। इसके उपरांत गऊओं को हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल व नमक आदि मिलाकर सवामणि तैयार कर गऊओं को खिलाई गई।

इस अवसर पर उपप्रधान सुरेश शर्मा ने बताया कि गाय के शरीर में सभी देवताओं का वास होता है और गाय की सेवा करने से मनुष्य के सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। आचार्य पं बजरंग शास्त्री ने बताया कि पौराणिक कथाओं के अनुसार देवताओं और असुरों के बीच हुए समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों में से एक कामधेनु गाय थी। इस अवसर पर मुख्य रूप से संस्था के प्रदीप संघी, राजेंद्र गुप्ता, सुमित अग्रवाल, विनोद सोनी, सोमदेव शर्मा, राकेश बंसल, संजय सैनी, मनिंदर सैनी, अशोक सैनी, मनमोहन शर्मा,पंजाब रतन, मंजू गुप्ता, सरिता जैन, मंजू भालोठिया, पूजा शर्मा आदि रहे।

## राधे नाम की गूंज से सराबोर हुई नगरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। शहर में प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

श्रीराधा कृष्ण व प्रेमानंद महाराज की प्रेरणा से धार्मिक संस्था राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन की ओर से रविवार को 160वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी का शुभारंभ प्रातः सात बजे मौहल्ला मीराजी पुल बाजार स्थित ठाकुरजी की आरती के साथ किया गया।

प्रभात फेरी के यजमान नीरज सिंघल उर्फ रिंकू दूधवाला द्वारा सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों और मंजीरों की मधुर थाप पर सैकड़ों की संख्या में पहुंचे बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, पुरुष एवं युवा श्रद्धालु राधे-राधे का जयघोष करते हुए प्रभात फेरी में शामिल हुए।

प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर पुल बाजार व मीराजी क्षेत्र में परिक्रमा करते हुए पुनः प्रारंभ स्थल पर संपन्न हुई। परिक्रमा मार्ग में श्रद्धालुओं ने एक स्वर में राधे नाम का जाप किया। इस दौरान ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन और बरसाना की कुंज गलियां नारनौल में साकार हो उठी हों। पूरा वातावरण भक्ति, प्रेम, शांति और आनंद से सराबोर नजर आया। अगली प्रभात फेरी किशन गांधी पुत्र स्वर्गीय मास्टर आनंद सिंह गांधी के निवास स्थान पुल बाजार पर आयोजित की जाएगी। प्रभात फेरी के यजमान नीरज बंसल ने अपनी शादी की वर्षगांठ के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

## 11 को होगी हरियाणा सुपर 100 बैच 2026-28 लेवल 1 की परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सुपर 100 हरियाणा सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग प्रदान करना है ताकि वे जेईई, आईआईटी और एनईईटी (नीट) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। इसके अलावा योजना छात्रों को मुफ्त बोर्डिंग सुविधा भी प्रदान करती है। सुपर 100 स्तर 1 के लिए प्रवेश परीक्षा 11 फरवरी को दोपहर 12:30 से 2:30 बजे के बीच जिले के पांच केन्द्रों में आयोजित होगी। जिले के राजकीय विद्यालयों में दसवीं कक्षा में पढ़ रहे 1377 पंजीकृत विद्यार्थियों यह परीक्षा देंगे। परीक्षा में कुल 50 प्रश्न पूछे जायेंगे तथा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक की नेगेटिव मार्किंग की जाएगी। प्रश्न पत्र में गणित विषय से प्रश्न पूछे जाएंगे। जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविन्द्र कुमार ने बताया कि सुपर-100 बैच 2026-28 लेवल-1 की परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों की लेवल 2 की परीक्षा कुरुक्षेत्र में होगी और उसमे चयनित विद्यार्थियों को हरियाणा सरकार द्वारा इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुफ्त आवासीय कोचिंग दी जाएगी।

#### यहां होगी परीक्षा

अटेली में राजकीय माडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल अटेली में 284, नांगल चौधरी में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी में 260, नारनौल में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारनौल में 217, महेन्द्रगढ़ में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महेंद्रगढ़ में 361 और कनीना में राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना परीक्षा केंद्र में 255 विद्यार्थियों यह परीक्षा देंगे।

## कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय चैंपियन साहिल यादव ने युवाओं को नशे से दूर रहने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ओएसिस विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय वेट लिफ्टर चैंपियन साहिल यादव ने बच्चों को खेलों और अपने कर्तव्यों के प्रति प्रेरणा प्रदान करने हेतु पारितोषिक समारोह में शिरकत की। बता दें कि गोद बलाहा के पास गणेशपुरा के साहिल यादव ने 12वीं कक्षा 2022 में ओएसिस इंटरनेशनल स्कूल नारनौल से उत्तीर्ण की थी। उसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए जयपुर चले गए और वहां वेट लिफ्टर की अलग–अलग प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लेते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे।

मुख्य अतिथि साहिल यादव ने ओएसिस इंटरनेशनल में मुख्य अतिथि के तौर पर बच्चों को मैडल प्रदान किए। विद्यालय की तरफ से आज कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों को अलग–अलग खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मेडल दिए जाने का कार्यक्रम रखा गया था। उन्होंने कहा कि आपको जो भी कुछ करना है, वो खुद ही करना पड़ेगा। यदि अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी से मेहनत करोगे तो एक दिन अवश्य ही सफलता मिलेगी। यदि अपना मुकाम हासिल करना है तो नशे व गलत आदतों से दूर रहना होगा।

विद्यालय प्रबंधन की तरफ से साहिल के दादा बुधराम और साहिल के पिता जितेंद्र कुमार उर्फ बिट्टू को सम्मान स्वरूप यादगार चिह्न देकर सम्मानित किया। विद्यालय की तरफ से साहिल यादव को प्रतिभा सम्मान के स्मृति चिह्न के साथ 21 हजार रुपये नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। साथ में इस वर्ष फ्रांस में आयोजित होने वाली प्रतिस्पर्धा के लिए शुभकामनाएं दी।

## राष्ट्रव्यापी हड़ताल में 12 को इंटक भी लेगी हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन रजिस्ट्रेशन नंबर एक संबंधित इंटक के राज्य महासचिव दिनेश हुड्डा, राज्य उप प्रधान संदीप दलाल, बलवान, विजय अहलावत, शिवचरण, सतेंद्र व अरविन्द ने संयुक्त बयान जारी किया है। वह देश की सभी बड़ी केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों व सैंकड़ों फेडरेशनों व क्षेत्रीय यूनियनों ने 12 फरवरी 2026 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल करने का निर्णय लिया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने इस हड़ताल को भरपूर समर्थन देने का निर्णय लिया है। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन रजिस्ट्रेशन नंबर 1 (इंटक ) के नारनौल डिपो प्रधान हंसराज यादव ने बताया कि इंटक हरियाणा एवं हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन रजि. नं. 1 (आईएनटीयूसी) ने इन मांग-मुद्दों से सहमति रखते हुए रोडवेज कर्मचारियों के हित में इस आंदोलन में शामिल होने का निर्णय लिया है।

#### हाईकोर्ट के निर्णय को माना न्यायोचित

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने भी पद सृजन एवं कर्मचारियों को नियमित करने के संघर्ष की दिशा को न्यायोचित माना है। इसके बावजूद सरकार द्वारा सार्वजनिक विभागों को संकुचित करने व पद समाप्त करने, कर्मचारियों को कच्चा रखने, पेंशन से वंचित रखने, नियमों के अनुसार पक्की भर्ती न करने, रोडवेज का निजीकरण करने व चिकित्सा सुविधाओं में आय आधारित शर्तें लागू करने, हरियाणा का अलग से आठवां वेतन आयोग गठन करने तथा चालक- परिचालकों का वेतनमान बढ़ाने बारे संज्ञान ना लेने, कर्मचारियों के देय अर्जित अवकाश को कम करने व 10 साल का बोनस पेंडिंग रखने व रोडवेज में इलेक्ट्रिक बसों के बहाने किलोमीटर स्कीम की बसों को बढ़ाने का आरोप लगाया।

**उठी समस्याएं** शहर में ओवर फ्लो सीवर की समस्या को बताया गंभीर, लोगों को बीमारियां फैलने का सता रहा डर

# वरिष्ठ नागरिकों ने मासिक बैठक में उठाए शहर के ज्वलंत मुद्दे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। मासिक बैठक को संबोधित करते प्रधान दुलीचंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

किला रोड स्थित वरिष्ठ नागरिक संगठन कार्यालय में संगठन की मासिक मीटिंग संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मीटिंग में सर्वप्रथम परम्परानुसार जन्मदिन वाले वरिष्ठ नागरिकों चेतन स्वरूप और ब्रह्मप्रकाश रोहिल्ला को सम्मान पट पहनाकर सम्मानित किया गया और उनके दीर्घायु होने की कामना की गई।

बैठक में बताया गया कि नई बस्ती, माल टिब्बा मोहल्ला और सुभाष पार्क के पास सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं, जिससे सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है। उससे बदबू आती रहती है और गंदे पानी के कारण कोई बीमारी भी होने का अन्देशा बना हुआ। इसलिए जनस्वास्थ्य विभाग एवं नगर परिषद से मांग है कि इस समस्या का तुरंत समाधान करवाया जाए। वरिष्ठ नागरिक गणेश हरित ने बताया कि मोहल्ला चांदुवाड़ा में पानी की पर्याप्त सप्लाई नहीं हो रही है और जो सप्लाई दी भी जा रही है, उसका कोई समय निश्चित नहीं है। इसलिए वाटर सप्लायर विभाग इस मोहल्ले में पानी की सप्लाई नियमित व समयबद्ध की करवाएं। बैठक में यह भी ध्यान में लाया गया कि जिला न्यायालय परिसर में जो टाइपिस्ट बैठते हैं, वे टाइप कार्य के लिए मनमाने चार्ज लेते हैं। इसलिए जिला प्रशासन से मांग है कि इनकी टाइपिंग की हर मद की दरें निश्चित की जाएं। यदि दरें पहले से निर्धारित की हुई हैं तो वे टाइपिस्ट के नजदीक के स्थानों पर चस्पा की जाएं, ताकि आम आदमी इनके आर्थिक शोषण से बच सके। इसके साथ-साथ सभी टाइपिस्ट को भी निर्देश दिए जाएं कि वे यदि निर्धारित शुल्क से ज्यादा चार्ज करेंगे तो उनके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। बैठक में यह भी ध्यान में लाया गया कि शहर में कुछ युवा मोटरसाईकिल पर 3-4 लड़के बैठाकर उसको तेज गति से दौड़ाते हैं। ऐसे मनचले युवाओं के चालान करके उन्हें दण्डित किया जाए, ताकि भविष्य में तेज गति के कारण कोई दुर्घटना न हो। यह भी ध्यान में आया है कि सर्राफा बाजार के पास 10-12 टू व्हीलर हमेशा खड़े रहते हैं, जिससे वहां हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि वर्णित इन दोनों समस्याओं का समाधान यथाशीघ्र करवाएं और इन पर उचित कार्रवाई की जाए।

#### बैठक में यह रहे मौजूद

बैठक का संचालन संगठन के महासचिव मुखराम सैनी ने किया। बैठक में विजय रहीश, शिवलाल वर्मा, सोहनलाल चौहान, शिवहरि अग्रवाल, सुरेश जांगिड़, रविंद्र कुमार चौधरी, भागीरथ प्रसाद, हरिराम गुप्ता, हरिसिंह यादव, गणेश हरित, जसवंत सिंह यादव, बद्रीप्रसाद गर्ग, उमादत्त शर्मा, चौ. दलीप सिंह, मास्टर जयदयाल, धर्मचन्द छाबड़ा, रामनिवास सैनी, ओपी बत्रा, श्याम सुंदर शर्मा, ब्रह्मप्रकाश रोहिल्ला, चेतन स्वरूप व नरेंद्र कुमार धौलिया आदि उपस्थित रहे।

### 12 की हड़ताल में भाग लेंगे ट्यूबवेल ऑपरेटर

**नारनौल।** ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ऑपरेटर यूनियन सम्बंधित एआईयूटीयूसी जिला प्रधान महेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा श्रमिक विरोधी 4 लेबर कोड लागू करने के विरोध में एआईयूटीयूसी सहित 10 बड़ी ट्रेड यूनियनों के सांझा आह्वान पर 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ओपरटर (जलकर्मी) बढ़–चढ़कर भाग लेंगे। जिला प्रधान महेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ओपरटर सर्दी-गर्मी में दिन-रात गांवों में घर-घर स्वच्छ पेयजल आपूर्ति का कार्य करते हैं। बरसात में तो यह कार्य और भी अधिक जोखिम भरा काम हो जाता है। पूर्व में बिना किसी सुरक्षा के उपकरण सेफ्टी किट के बिना काम करते हुए कई जल कर्मियों ने अपना अनमोल जीवन गंवाया है।